मार्टिन लूथर किंग, जूनियर

स्मारक

एलिजाबेथ केलेहर

व्हाइट हाउस फोटो: एरिक डेयर

वाशिंगटन, डी.सी. में मार्टिन लूथर किंग, जू. राष्ट्रीय स्मारक के लिए आयोजित अद्भुत समारोह के बाद 13 नवंबर 2006 को राष्ट्रपति बुश संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजदूत एंड्रू यंग का स्वागत करते हुए। यंग के साथ हैं: (बाएं से) किंग की पुत्रियां योलांडा डेनिस किंग और बर्निस अल्बर्टिन किंग और विदेश मंत्री कोंडोलीज़ा राइस।

वाशिंगटन के 'खुले आंगन' द नेशनल माल में 13 नवंबर को नागरिक अधिकारों के महानायक मार्टिन लूथर किंग जूनियर स्मारक के शुभारंभ के अवसर पर ऑपेरा व धार्मिक गायकों ने गीत गाए, राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन तथा चार बच्चों ने भाषण दिए, कवियों ने अपनी कविताएं पढ़ीं और 75 लोगों ने जमीन में फावड़े चलाए।

राष्ट्रपति बुश ने कहा कि इस स्मारक का सही स्थान पर लोकार्पण करते हुए उन्हें गौरव हो रहा है जो ''अमेरिका के उज्जवल भविष्य की घोषणा करने वाले'' थॉमस जैफरसन और ''अमेरिका के भविष्य को सुनिश्चित करने वाले'' अब्राहम लिंकन के स्मारकों के बीच स्थित है। उन्होंने कहा, ''किंग ने अमेरिका के भविष्य को संवारा।''

किसी अफ्रीकी अमेरिकी को सम्मानित करने के लिए स्थापित इस नए स्मारक का निर्माण 2008 में पूरा हो जाएगा। किंग ने 1963 की गर्मियों में पास ही में स्थित लिंकन स्मारक की सीढ़ियों से इसी माल पर एकत्र नागरिक अधिकारों से जुड़े 2,00,000 समर्थकों को संबोधित करते हुए अपना प्रख्यात भाषण 'मेरा एक स्वप्न है' (आई हैव ए ड्रीम) दिया था। अनेक लोग उस भाषण को अमेरिकी इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण भाषणों में मानते हैं। इसमें उन्होंने अमेरिकी प्रशासन से सभी नागरिकों के लिए स्वतंत्रता और न्याय के आश्वासन को पूरा करने की अपील की।

इस स्मारक में किंग के शब्दाक्षर झरते पानी की पृष्ठभूमि में आशा के प्रतीक पत्थर के पास अंकित किए जाएंगे। यह उनके भाषण की उन पंक्तियों की याद दिलाएगा जिनमें उन्होंने कहा था कि उनका स्वप्न और विश्वास उनके समर्थकों को अलगाववादी दक्षिणी राज्यों में जाकर निराशा के पहाड़ से आशा का पत्थर निकाल लाने की प्रेरणा देगा।

उस अभियान और दूसरे नागरिक अधिकार अभियानों का वह ऐसा समय था जब स्कूलों, बाज़ारों, रेस्तराओं और बसों में अफ्रीकी अमेरिकी नागरिकों को श्वेत नागरिकों से अलग माना जाता था। दक्षिणी राज्यों में उनके द्वारा मतदान की कोशिश करने पर हिंसा भड़क उठती थी। इन बुराइयों को दूर करने के लिए किंग ने एक दीर्घकालीन अहिंसक प्रतिरोध अभियान चलाया। अपने 'मेरा एक स्वप्न है' भाषण में उन्होंने कहा कि जब तक न्याय उनके पास तक पानी की तरह सहज रूप से बहकर और न्यायिक अधिकार किसी उफनती नदी की तरह नहीं पहुंच जाता, तब तक उनके समर्थक चैन की सांस नहीं लेंगे। उस दिन से साल भर के भीतर राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन ने नागरिक अधिकार अधिनियम पर हस्ताक्षर कर दिए जिसमें अलग-थलग करने की प्रवृत्ति को संघीय अपराध घोषित कर दिया गया।

नवंबर की सर्द और वर्षा की रात गुजरने के बाद बारिश थम गई और स्मारक का शुभारंभ देखने के लिए 5,000 लोग कीचड़ की परवाह न करके पूरे संकल्प के साथ वहां पहुंच गए। उनमें ऊंची एड़ियां और फैंसी हैट पहने तमाम महिलाएं और अपने सर्वोत्तम सूट और टाई पहने पुरूष भी थे। नागरिक अधिकारों के वे समर्थक जो किंग के करीबी थे और अब भी चलने में समर्थ हैं, वे भी वहां आए: संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के प्रथम अफ्रीकी अमेरिकी राजदूत एंड्रयू यंग, कांग्रेसी और नागरिक अधिकार अभियान में छात्र अहिंसक समन्वय समिति के संस्थापक जॉन लेविस, 'नेशनल काउंसिल ऑफ नीग्रो वुमेन' की अवकाश प्राप्त अध्यक्ष डोरोथी हाइट और प्रमुख राजनीतिज्ञ जैसे जैक्सन।

टेलीविजन की जानी-मानी हस्ती ओप्रा विनफ्रे ने कहा, ''मैं जो कुछ हूं, डॉ. किंग के संघर्ष के कारण हूं। मेरा जीवन उनके काम का नतीज़ा है। उन्होंने कहा, वह अपनी हर सांस के साथ किंग के साहस को याद करती हैं और स्मारक पूरा हो जाने के बाद वे फिर यहां आएंगी। अफ्रीकी अमेरिकी इतिहास का एक संग्रहालय बनाने की भी योजना है।

यंग का कहना है कि अमेरिका के लोग किंग के कथनों का सम्मान इसलिए करते हैं कि उन्होंने केवल वह कहा नहीं बल्कि उसे जीया। यंग ने उपस्थित भीड़ में खड़े लोगों को याद दिलाया कि जब किंग अफ्रीकी अमेरिकियों के लिए नागरिक अधिकारों की अहिंसक लड़ाई लड़ रहे थे, तब उनके घर पर बम फेंके गए, कर चोरी के आरोप लगाए गए, उन्हें छुरा भौंका गया और जेल भेजा गया।

राष्ट्रपति बुश ने किंग की सराहना की क्योंकि उन्होंने राष्ट्र के लिए मानक तय किए। उन्होंने कहा, ''उनका यह स्वप्न हत्यारे की गोली से चूर-चूर नहीं हुआ कि राष्ट्र ऊपर उठकर धर्म के असली अर्थ को जीता है, और जानता है कि सभी मनुष्य समान हैं, बल्कि उससे आज भी विश्व के लाखों लोगों को प्रेरणा मिलती है।''

दक्षिण अफ्रीका के नस्लवाद विरोधी नेता नेल्सन मंडेला ने अपने पत्र में लिखा कि किंग के अभियान का उत्कर्ष पूरे राष्ट्र में हुआ और उन्होंने स्वार्थ से परे रह कर अत्याचार का विरोध करने की किंग की परंपरा की प्रशंसा की।

इस स्मारक की योजना की स्वीकृति के अधिनियम पर राष्ट्रपति क्लिंटन ने 1996 में हस्ताक्षर किए थे लेकिन तब से ही यह ड्राइंग बोर्ड का विषय बना रहा। शुभारंभ से पूर्व तक इस स्मारक के लिए कार्पोरेशनों और जनता से 60 लाख डॉलर की राशि जमा की जा चुकी है जो इसके निर्माण के लिए आवश्यक 10 करोड़ डॉलर राशि के दो-तिहाई से कुछ अधिक है। इसमें सबसे अधिक दान राशि ऑटो निर्माता जनरल मोटर्स, टॉमी हिलफिगर कार्पोरेट फाउंडेशन, द नेशनल बास्केटबाल एसोसिएशन तथा वाल्ट डिज्नी कंपनी फाउंडेशन ने दी है।

एलिजाबेथ केलेहर *यूएसइनफो की कार्यालय लेखिका हैं।*